Naidunia Date: 06.03.2020

अपडेट हों युवा तभी कपड़ा उद्योग आगे बढ़ेगा

वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय टेक्सटाइल राष्ट्रीय कांफ्रेंस टेक्सकॉन- 2020 का आयोजन

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। कपड़े मानव की बुनियादी जरूरतों में से एक है। इस उद्योग को विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को नई तकनीकों के बारे में खुद को अपडेट करने की जरूरत है। विद्यार्थियों को अपने काम और उद्योग में योगदान पर विश्वास करना चाहिए। यह कहना है अरविंद लिमिटेड के सीओओ नितिन सेठ का। वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय टेक्सटाइल राष्ट्रीय कांफ्रेंस टेक्सकॉन- 2020 का आयोजन किया गया। सम्मेलन की थीम 'कन्टेम्परेरी इश्यूज इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस फ्रॉम फाइबर टू गारमेंट' थी। मुख्य अतिथि लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी जयपुर के कुलपति डॉ. आरएल रैना थे। गेस्ट ऑफ ऑनर एमपीआईडीसी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आईएएस कुमार पुरुषोत्तम थे व अरविंद लिमिटेड के सीओओ नितिन सेठ थे। समारोह के संयोजक डॉ. आरके दत्ता ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

उत्पादन बढ़ाने व लागत कम करने की जरूरत है: वैष्णव यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने कहा यह सम्मेलन मौजूदा मुद्दों पर ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए कपड़ा उद्योग, शिक्षाविदों के विशेषज्ञों को एक मंच देने के लिए है। कपड़ा उद्योग को कृषि और वस्तुओं की दृष्टि से देश की प्राचीन संस्कृति और परंपराओं के साथ नजदीकी जुड़ाव भारतीय कपड़ा क्षेत्र को अन्य देशों की उद्योगों की तुलना में अद्वितीय बनाता है।

वैष्णव यूनिवर्सिटी के टेक्सकॉन के आयोजन में अतिथिगण। ● फोटो आयोजक

उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए नए प्रयोगों की जरूरत है

कुमार पुरुषोत्तम ने कहा सरकार उद्योग की जरूरत के अनुसार लगातार योजना और नीतियां बना रही है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए इस उद्योग को युवाओं के नवीन प्रयोगों की जरूरत है। डॉ. आरएल रैना ने कहा टेक्सकॉन- 2020 कपड़ा उद्योग को आकार देने के लिए एक मंच है। व्यापार में सफल होने के लिए विशेष रूप से फैशन व्यवसाय, विपणक को देखना चाहिए। विश्लेषण करना चाहिए और समझना चाहिए कि रुझान क्या है। वातावरण फैशन को प्रभावित करता है। फैशन के सहजीवी और शक्तिशाली संबंध को नकारा नहीं जा सकता। दुनिया में वृद्धि के साथ वस्तुओं की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। बांग्लादेश, भारत, चीन वियतनाम कपड़ों के उत्पादन में सर्वाधिक योगदान कर रहे हैं, जो परिधान उद्योग में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाते हैं। परिधान उद्योग से जुड़े लोग सफलता की रेखा में बने रहने के लिए भविष्य की चुनौतियों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा विभिन्न प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाने वाले जहरीले, गैर पुनर्नवीनीकरण रसायन, विषजल से समाप्त करने के लिए चुनौती दे रहे हैं। इन अपशिष्ट जल के उपचार के लिए उपेक्षा करने से पर्यावरण में गिरावट होती है और फास्ट फैशन पॉलिस्टर और नायलॉन के बढ़ते उत्पादन का कारण बन रहा है, जो ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ते हैं, जो कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में 300 गुना अधिक ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करते हैं। कार्यक्रम में रेमंड के कुणाल लोखवानी, आईआईटी दिल्ली के वस्त्र विभाग के एचओडी डॉ. अश्विनी अग्रवाल, उस्मानिया यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के डॉ. जे हयवदाना, फाइबर और कपड़ा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विभाग मुंबई के डॉ. अशोक अथावले, आईसीएआर के डॉ. गौतम बोस, वोल्टास के जनरल मैनेजर वी के पांडे सहित कई विशेषज्ञों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में शोधकर्ताओं ने पेपर प्रस्तुत किए। टेक्सटाइल प्रदर्शनी भी लगाई गई। आरआरपेंट के सहायक निदेशक द्वारा डाइंग ट्रीटमेंट पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। बीएससी फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने अपने द्वारा डिजाइन किए हुए कपड़ों की प्रदर्शनी भी लगाई।

Navbharat **Date: 06.03.2020**

भविष्य की चुनौतियों का प्रबंधन करना होगा : रैन

वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय में टेक्सकॉन का आयोजन

इंदौर. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय इंदौर द्वारा टेक्सकॉन 2020 दो दिवसीय टेक्सटाइल राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस गुरुवार को प्रारंभ हुई. इसकी थीम कन्टेपररी इशुस इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्करिंग प्रोसेस फ्रॉम फइबर टू गारमेंट थी. टेक्सकॉन के मुख्य अतिथि डॉ. आर एल रैना, कुलपति जे के लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर थे और गेस्ट ऑफ ऑनर कुमार पुरूषोत्तम, आईएएस, एक्सेक्यूटिंव डायरेक्टर, एमपीआईडीसी और नितिन सेठ, सीओओ, अरविंद लिमिटेड निट्स डिवीजन, अहमदाबाद थे.

उद्घाटन समारोह में डॉ. आर के दत्ता, कॉन्फ्रेंस संयाजक ने राष्ट्रीय कॉन्फ्रंस, टेक्सकॉन 2020 का परिचय दिया. उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञ और शिक्षाविद टेक्सटाइल में कपडा उद्योग, फाइबर, प्रबंधन पर छात्रों के ज्ञान वर्धन करेंगे. मुख्य अतिथि प्रोफसेसर आर एल रैना, कुलपति, जेके लक्ष्मीपत वश्वविद्यालय, जयपुर ने कहा कि टैक्सकॉन 2020 कपडा उदयोग को आकार देने के लिए एक मंच है. व्यापार में सफल होने के लिए, विशेष रूप से फेशन व्यवसाय, विपणक को देखना चाहिए. विश्लेषण करना चाहिए और समझना चाहिए कि रूझान क्यो हो रहे है. वातावरण फैशन को प्रभावित करता है. दुनिया में वृद्धि के साथ वस्त्रों की मांग दिन प्रतिदिन बढ रही है. परिधान उद्योग से जुडे लोगों को सफलता की रेखा में बने रहने के लिए भविष्य की चुनौतियों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की आवश्यकता होगी।

अपडेट करने की आवश्यकता

विशिष्ठ अतिथि नितिन सेठ ने कहा कि कपडे मानव की बुनियादी जरूरतों में से एक है. इस उदयोग को विकसित करने के लिये छात्रों को नई तकनीको के बारे में खुद को अपडेट करने की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को उद्योग में अपने उद्देश्य को जानना चाहिए और अपने काम और उद्योग में योगदान का विश्वास करना चाहिए. विशिष्ठ अतिथि कुमार पुष्पोत्तम ने कहा कि सरकार उद्योग की जरूरत के अनुसार लगातार योजनाएं और नीतियां बना रही है. उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये इस उद्योग को युवाओं के नविन प्रयोगों की जरूरत है.

सरकार ने बनाई प्रोत्साहन नीतियां

श्री वैष्णव विद्यायापीठ विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. उपिदर घर ने कहा कि यह सम्मेलन मौजूदा मुद्दों पर ज्ञान का आदान प्रदान करने के लिये कपडा उद्योग, शिक्षविदों के विशेषज्ञों को एम मंच पर लाने के लिये है. स्पेक्ट्रम के एक छोर पर हाथ से घूमने वाले और हाथ से बुने हुये वस्त्र के व्यापार क्षेत्रों के साथ भारतीय कपड़ा उद्योग बेहद विविध है, जबकि स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर पूजी गहन परिष्कृत मिल्स क्षेत्र है. भारतीय कपडा उदर्याग, भारत और दुनिया भर में विभिन्न बाजार क्षेत्रों के लिए उपयुक्त उत्पादों की एक विस्तृत विविधता का उत्पादन करने की क्षमता रखता है. भारत सरकार ने कपडा क्षेत्र के लिए कई निर्यात प्रोत्साहन नीतिया बनाई है.

लागत कम करने की आवश्यकता

कुलाधिपति पुरूषोत्तम दास पसारी ने कहा कि कन्टेपररी इशुस इन टेक्सटाइल मैन्युफेक्करिंग प्रोसेस फॉम फइबर टू गारमेंट वर्तमान परिदृश्य के लिए प्रासंगिक थीम है. कपड़ा उद्योग के बाजार में प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है. व्यापारियों को उत्पादन बढाने और लागत को कम करने की आवश्यकता है. टेक्सकॉन 2020 कांफ्रेंस देश में कपडा व्यवसाय विकसित करने के लिए और उच्च स्थान प्राप्त करने के लिये प्रयास है. इस अवसर पर कन्टेपररी इशुस इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्करिंग प्रोसेस फ्रॉम फाईबर टू गारमेंट विषय पर कॉन्फ्रेंस बंक का भी विमोचन किया गया. कमल नारायण जी भूरडिया, मानद सचिव, श्री वैषण विदयापीठ ट्रस्ट द्वारा आभार प्रदर्शन दिया गया।

Patrika Date: 06.03.2020

वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिनी सेमिनार टेक्सकॉन प्रारंभ

टेक्सटाइल के क्षेत्र में सफलता के लिए भविष्य की चुनौतियों का प्रबंधन जरूरी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ फैशन व्यवसाय में सफल होने के लिए मार्केटर को ध्यान रखना चाहिए कि रुझान क्या है? बाजार के रुझानों को समझ कर उनका विश्लेषण किया जाना चाहिए। वातावरण फैशन को प्रभावित करता है। जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ दुनिया में वस्त्रों की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। बांग्लादेश, भारत, चीन, वियतनाम कपड़ों के उत्पादन में सर्वाधिक भूमिका है जो गारमेंट इंडस्ट्री का शेयर बढ़ा रहे हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में काफी चुनौतियां देखने को मिल रही हैं। टेक्सटाइल से जुड़े लोग सफलता हासिल करने के लिए भविष्य की चुनौतियों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की आवश्यकता होगी। यह बात गुरुवार को वैष्णव विद्यापीठ में आयोजित दो दिनी टेक्सकॉन सेमिनार के शुभारंभ पर जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आरएल रैना ने कही। इस सम्मेलन की थीम 'कन्टेपररी इश्यूज इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस फ्रॉम फाइबर टू गारमेंट' थी।

पॉलिस्टर और नायलोन का प्रयोग खतरनाक

उन्होंने कहा, विभिन्न प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाने वाले जहरीले, गैर पुनर्नवीनीकरण रसायन, विल्य जल से समाप्त करने के लिए चुनौती दे रहे हैं। इन अपशिष्ट जल के उपचार के लिए उपेक्षा करने से पर्यावरण में गिरावट होती है। पॉलिएस्टर और नायलॉन के बढ़ते उत्पादन के कारण ग्रीनहाउस गैसों का वायुमंडल प्रभाव देखने को मिलता है। ये कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 300 गुना अधिक ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करते हैं।

अपडेशन की आवश्यकता

विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविंद लिमिटेड निट्स डिविजन के सीओओ नितिन सेठ ने कहा कि कपड़े मानव की बुनियादी जरूरतों में से एक हैं। इस उद्योग को विकसित करने के लिए छात्रों को नई तकनीकों के बारे में खुद को अपडेट करने की आवश्यकता है। छात्रों को उद्योग में अपने उद्देश्य को जानना चाहिए और अपने काम और उद्योग में योगदान पर विश्वास करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में एमपीआईडीसी एजीक्यूटिव डायरेक्टर आइएएस कुमार पुरुषोत्तम सरकार उद्योग की जरूरत के अनुसार लगातार योजनाएं और नीतियां बना रही है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए इस उद्योग को युवाओं के नवीन प्रयोगों की जरूरत आने वाली है।

कुलपति उपिंदर धर ने कहा, कपड़ा उद्योग को कृषि (कपास जैसे कच्चे माल के लिए) और वस्त्रों की दृष्टि से देश की प्राचीन संस्कृति और परंपराओं के साथ नजदीकी जुड़ाव भारतीय कपड़ा क्षेत्र को अन्य देशों के उद्योगों की तुलना में अद्वितीय बनाता है। भारतीय कपड़ा उद्योग, भारत और दुनिया भर में विभिन्न बाजार क्षेत्रों के लिए उपयुक्त उत्पादों की एक विस्तृत विविधता का उत्पादन करने की क्षमता रखता है।

People Samachar

Date: 06.03.2020

वातावरण फैशन को करता है प्रभावित -डॉ. रैना

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'टेक्सकॉन 2020' का आयोजन

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा 'टेक्सकॉन 2020' दो दिवसीय टेक्सटाइल राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 5 मार्च 2020 को हुआ। इस सम्मेलन की थीम 'कन्टेपररी इशुस इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस फ्रॉम फाइबर टू गारमेंट' थी। टेक्सकॉन के मुख्य अतिथि डॉ. आरएल रैना (कुलपति जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर) और गेस्ट ऑफ ऑनर कुमार पुरुषोत्तम (आईएएस एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, एमपी आईडीसी, इंदौर) और नितिन सेठ (सीओओ, अरविंद लि., निट्स डिवीजन, अहमदाबाद) थे। संयोजक डॉ. आरके दत्ता ने राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस टेक्सकॉन 2020 का परिचय दिया। उन्होंने कहा इस सम्मेलन में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञ और शिक्षाविद टेक्सटाइल में कपड़ा उद्योग, फाइबर, प्रबंधन पर छात्रों का ज्ञान वर्धन करेंगे। डॉ. उपिंदर धर कुलपति श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि ने कहा कि यह सम्मेलन मौजूदा मुद्दों पर ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए कपड़ा उद्योग, शिक्षाविदों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने के लिए है। 'कन्टेपररी इशुस इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस फ्रॉम फाइबर टू गारमेंट' विषय पर कॉन्फ्रेंस बुक का भी विमोचन किया गया। विशिष्ट अतिथि नितिन सेठ ने कहा कपड़ा उद्योग को विकसित करने छात्रों को नई तकनीकों के बारे में खुद को अपडेट करने की आवश्यकता है। कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए इस उद्योग को युवाओं के नवीन प्रयोगों की जरूरत है। मुख्य अतिथि डॉ. आरएल रैना ने कहा कि टेक्सकॉन 2020 कपड़ा उद्योग को आकार देने के लिए एक मंच है। व्यापार में सफल होने फैशन व्यवसाय, विपणक को देखना चाहिए, विश्लेषण करना चाहिए और समझना चाहिए कि रुझान क्या हैं। वातावरण फैशन को प्रभावित करता है। इसके सहजीवी और शक्तिशाली संबंध को नकारा नहीं जा सकता। दुनिया में वृद्धि के साथ वस्त्रों की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। बांग्लादेश, भारत, चीन, वियतनाम कपड़ों के उत्पादन में सर्वाधिक योगदान कर रहे हैं, जो परिधान उद्योग में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाते हैं। इस अवसर पर टेक्सटाइल प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया था।